अभियांत्रिकी महाविद्यालय, भरतपुर

क्रमांकः दिनांकः

कार्यवाही विवरण

अभियांत्रिकी महाविद्यालय सोसायटी, भरतपुर की बीओजी की बैठक दिनांक 15.2.2019 को माननीय मंत्री महोदय, तकनीकी शिक्षा विभाग, प्रेसीडेंट बीओजी की उपस्थिति में श्री शिवदास बाहेती चेयरमैन, बीओजी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्न अधिकारियों द्वारा भाग लिया गयाः–

1 श्री वैभव गालरिया, शासन सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग
2 प्रोफेसर एस.सी. जैन, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा
3 डा0 रवि गुप्ता, फैकल्टी मेम्बर
4 डा0 नवीन झा, फैकल्टी मेम्बर
5 श्री रणजीत सिंह, प्राचार्य, सदस्य सचिव

उपरोक्त के अतिरिक्त निम्न अधिकारीगण भी उपस्थित हुयेः–

1 श्री एम.एम. सेतिया, संयुक्त सचिव, तकनीकी शिक्षा
2 श्री संदीप कुमार, निदेशक सीईजी
3 श्री अंकुर पारीक, समन्वयक (एसपीआईयू)

बैठक में एजेण्डा अनुसार विस्तृत विचार–विमर्श के उपरांत निम्न निर्णय लिये गयेः–

एजेण्डा संख्या	एजेण्डा आईटम	निर्णय
ITEM NO. 6.01	Review of progress on points in the minutes of last BoG, i.e., the 5th BoG held on 10/05/2018.	(a) **Fresh Decision on Agenda No. 5.05 of the 5th BoG regarding recruitment of Associate Professors and Professors:** The Member Secretary apprised the BoG that neither any progress has been made nor the same is likely, despite the required actions as per the old decision of the 5th BoG having been taken, mainly because of the non availability of funds. He requested that at least 3 Associate Professors, one

		each from Computer Science, Electrical Engineering and Mechanical engineering – the 3 branches whose Self Appraisal Report (SAR) is to be uploaded for NBA accreditation latest by 30 June 2019, be made available to GEC Bharatpur from elsewhere by the Govt (T.E.) on deputation/work-arrangement before 30 June 2019. He also requested that simultaneously, permission be granted by the Govt (T.E.) to hold the CAS Committee proceedings for the candidates eligible for the same from 09/01/2015 onwards as per the AICTE Rules and approved relevant minutes of the earlier BoG Meetings in order to award the eligible candidates of CAS benefits, as also to create its own cadre of Associate Professors through promotion of eligible candidates. Both requests were approved (b) **Fresh Decision on Agenda No. 5.07 of the 5th BoG regarding recruitment of Non-Teaching Staff**: The case to be kept deferred till further orders.
ITEM NO. 6.02	Ratification of confirmation of Minutes of Meeting of 5th BoG Held on 10-05-2018.	**The Minutes of the 5th BoG Meeting was ratified.**
ITEM NO. 6.03	Regarding Budget Report of GEC Bharatpur: The following are placed opposite for perusal & approval:- (a)Status of Approved Budget of 2018-19 as on 31/01/2019 (b)Status of Approved Budget of FY 2018-19 of GEC Bharatpur Hostel as on 31/01/19 (c) Proposed Hostel Budget for FY 2019-20 (d) Proposed GECBH Budget of 2019-20	**All above mentioned four budgets were approved.**

ITEM NO. 6.04	Proposal for part utilization of a total fund of Rs. 1.6 Crore allotted for all Government Engineering Colleges of Rajasthan for E-Journals and E-Books under the Hon'ble Chief Minister's Budget Announcement 2017-18.	The Govt. of Rajasthan have asked the college to submit the subject proposal. The college vide its letter dated 04-06-2018 has already submitted its proposal for a sum of Rs. 20 Lacs. It was proposed that the Govt. of Rajasthan be requested to order a committee to examine the case, as also, to optimize and stream-line the procurement of the same centrally. **Proposal was approved. Department will get information from all Engineering colleges and then process matter for appropriate decision.**
ITEM NO. 6.05	Regarding TEQIP-3 Status related documents in respect of GEC Bharatp	Following documents were placed for perusal and approval – (a)Summary of TEQIP-3 Budget for FY 2018-19 as on 31/01/19. (b)Proposed TEQIP-III Budget for FY 2019-20 (c) Procurement Plan **All above mentioned three budgets/plans were approved.**
ITEM NO. 6.06	Regarding the arbitration case between RUDISCO (Erstwhile RAVIL) & GEC Bharatpur for Poor Construction of Building.	It was apprised that construction work done by RUDISCO (erstwhile RAVIL) has been very poor despite continuous monitoring, reporting and tabling the issue in the 4th BoG meeting, as also, withholding their payment and presenting the issue in the Chief Secretary's meeting for arbitration. However, desired results have not been achieved till now. It was proposed that administrative action by the Govt. be initiated against RUDISCO for recovery of the balance of payment (payment overdue to RUDISCO less demurrage to be paid by them to GECBH) of Rs 30.44 lacs from RUDISCO for GECBH. **It was decided that Principal shall submit the entire case to Government for appropriate action at Government leve.**
ITEM NO. 6.07	Regarding Budget Status of GEC Dholpur.	**The two budgets were approved with the exception that refund of loan by GEC**

	Following documents are placed for perusal and approval please:- (A) Status of approved Budget of GEC Dholpur for FY 2018-19 as on 01-02-2019. (B)Proposed Budget of GEC Dholpur for FY 2019-20.	**Dholpur to GEC Bharatpur is to be kept pending.**
ITEM NO. 6.08	Regarding Budget Status of GEC Karauli. Following documents are placed for perusal and approval please:- (A)Status of approved Budget of GEC Karauli for FY 2018-19, as on 01-02-2019 (B)Proposed Budget of GEC Karuali for FY 2019-20.	**All above mentioned two budgets were approved with the exception that refund of loan by GEC Karauli to GEC Bharatpur is to be kept pending.**
ITEM NO. 6.09	Regarding rule for sponsored research and Industrial Consultancy (SRIC). It is proposed that the existing rules for sponsored Research and Industrial Consultancy (SRIC) of RTU Kota be adapted by GEC Bharatpur Society.	**Approved.**

बैठक में अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर विचार–विमर्श कर निम्न निर्णय लिये गयेः–

1. TEQIP-III के अन्तर्गत सामग्री क्रय के लिए अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए GF&AR के नियमों के तहत तय सीमा के अनुसार समाचार पत्रों में विज्ञप्ति दिये जाने का निर्णय लिया गया।
2. विभिन्न अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के स्टाफ को सी.ए.एस. का लाभ दिये जाने हेतु जिस कमेटी का गठन किया जाता है उसका अनुमोदन प्रेसीडेन्ट बी.ओ.जी. से भी कराया जाए।
3. महाविद्यालयों में TEQIP-III परियोजना अन्तर्गत अब तक किये गये व्ययों की स्थिति का रिव्यू कर बी.ओ.जी. द्वारा असंतोष प्रकट किया गया। TEQIP-III परियोजना माह सितम्बर, 2020 में समाप्त होगी उससे पूर्व परियोजना की सम्पूर्ण राशि का उपयोग किया जाना सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये।
4. महाविद्यालय के लेखों की सामान्यतया सी.ए. ऑडिट होती है परन्तु सी.ए. ऑडिट के साथ–साथ पिछले 5 वर्षों की विशेष ऑडिट एल.एफ.टी. के माध्यम से भी कराई जाए

जिससे समस्त क्रय प्रक्रिया भी नियमानुसार हो रही है उसके बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। यह निर्णय सभी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों पर लागू किया जाए।

5. अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के बैंकों में खाता संचालन के लिए 25000 रूपये से अधिक के चैक पर प्राचार्य एवं एक अन्य अधिकारी (लेखा अधिकारी अथवा लेखाधिकारी न होने पर वित्त से सम्बन्धित अन्य अधिकारी) के हस्ताक्षर करवाये जावें।
6. राज्य में संचालित विभिन्न अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कार्मिकों की भर्ती, पदोन्नति आदि के लिए वर्तमान में ए.आई.सी.टी.ई. गाइड्लाइन्स की पालना की जा रही है परन्तु अभी तक नियम बने हुए नहीं हैं। सभी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के लिए समान व्यवस्था लागू करने के लिए यह निर्णय लिया गया कि इस हेतु सेवा नियम बनाये जाकर सक्षम स्तर से स्वीकृत कराये जावे। सेवा नियम ड्राफ्ट करने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाए।
7. अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के विभिन्न न्यायालयों में चल रहे कोर्ट केसेज के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता/पैनल लॉयर की सेवायें ली जायें।
8. अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कार्यरत असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एसोसियेट प्रोफेसर, प्रोफेसर द्वारा प्रत्येक सिमेस्टर में ली जाने वाली कक्षाओं एवं विषयों का माहवार प्लान बनाया जावे एवं उपरोक्त प्लान अनुसार अध्यापन किया जाना प्राचार्य द्वारा सुनिश्चित किया जावे।
9. महाविद्यालय में स्थापित I I I Cell (Industry Institute Instruction Cell) को और अधिक प्रभावी बनाया जावे एवं Cell द्वारा की गई कार्यवाही की प्रगति राज्य सरकार को भेजी जावे।
10. आगामी बी.ओ.जी. बैठक में अभियांत्रिकी महाविद्यालय का जिस अन्य अभियांत्रिकी महाविद्यालय से TEQIP-III परियोजना के अन्तर्गत Tuning Arrangement है। वहाँ के प्राचार्य एवं प्रतिनिधि को भी बुलाया जावे।

बैठक अन्त में सधन्यवाद समाप्त हुई।